एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5171 NEW

प्रथम प्रश्न पत्र: काव्य, संस्कृतमूलक संस्कृति एवं निबंध

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. शिवराजविजय- (अंबिकादत्त व्यास) प्रथम विराम के प्रथम, द्वितीय निःश्वासमात्र
2. शिशुपालवध - (माघ) प्रथम सर्ग मात्र।
3. संस्कृतमूलक संस्कृति-इसके अंतर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है - सामाजिक तथा धार्मिक परिप्रेक्ष्य में वैदिक, रामायण व महाभारतकालीन, मौर्ययुगीन व गुप्तकालीन संस्कृति।
4. निबंध - इसके अन्तर्गत संस्कृत भाषा के माध्यम से पाँच विषयों में से एक विषय पर निबंध लिखना होगा। निबंध के विषय सामान्यतया निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित होंगे -
   - वैदिक साहित्य
   - प्रमुख कवि एवं काव्य
   - संस्कृत भाषा
   - भारतीय संस्कृति
   - काव्यसिद्धान्त
   - षड्दर्शन (आत्मा, जगत्, मोक्ष)
5. संस्कृत काव्यसाहित्य-सर्वेक्षण -

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई	-	शिवराजविजय (प्रथम विराम के प्रथम, द्वितीय निःश्वासमात्र)
द्वितीय इकाई	-	शिशुपालवध (प्रथम सर्ग)
तृतीय इकाई	-	संस्कृतमूलकसंस्कृति
चतुर्थ इकाई	-	निबंध (संस्कृत भाषा में)
पंचम इकाई	-	संस्कृत काव्य साहित्य का सर्वेक्षण

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) शिवराजविजय के (प्रथम विराम के प्रथम एवं द्वितीय निःश्वासों से) किसी एक अवतरण की विकल्पसहित सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) शिशुपालवध के (प्रथम सर्ग) से किसी एक श्लोक की विकल्पसहित सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) संस्कृतमूलक संस्कृति के निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत किसी एक विषय पर विकल्प देकर प्रश्न पूछा जाएगा। **10** अंक

(घ) निर्धारित विषयों के अन्तर्गत एक निबंध संस्कृत भाषा के माध्यम से लिखने के लिए कहा जाएगा। इसके लिए विकल्प सहित कुल पाँच विषय दिए जाएँगे एवं भारतीय संस्कृति, काव्यसिद्धान्त, षड्दर्शन (आत्मा, जगत्, मोक्ष आदि) **10** अंक

(ङ.) संस्कृत के प्रसिद्ध कवियों अथवा काव्यों में से किसी एक का परिचय विकल्प के साथ पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे -

(1) शिवराजविजय के (निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत) मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण, शिवराजविजय की कथावस्तु की समालोचनात्मक समीक्षा, शिवराजविजय की भाषा शैली आदि। **15** अंक

(2) शिशुपालवध के (निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बद्ध) मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण, कथावस्तु की समालोचनात्मक समीक्षा, शिशुपालवध की भाषा-शैली, काव्य पक्ष आदि की विशेषताएँ आदि। **15** अंक

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे -

भारतीय संस्कृति की सामान्य रूपरेखा, भारतीय संस्कृति की सामान्य विशेषताएँ, भारतीय संस्कृति का महत्त्व, वैदिक काल, रामायण, महाभारतकाल, मौर्ययुग, गुप्त युग आदि की दृष्टि से संस्कृत काव्यों का परिचय एवं समीक्षा।

सहायक पुस्तकें -

1. अम्बिकादत्त व्यास - एक अध्ययन - कृष्णकुमार
2. संस्कृतकविदर्शन - भोलाशंकर व्यास
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - कीथ, अनु. मंगलदेव शास्त्री
4. महाकवि माघ - डॉ. मनमोहन शर्मा
5. ए हिस्ट्री ऑफ क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर - एस. के. डे. एण्ड दासगुप्ता

******